27.3.17 पत्रावली पेश उभयपक्ष
उपस्थित/पीठासीन अधिकार जी
अवकाश पर है। पत्रावली
दिनांक 24.5.17 को पेश हो।
ह०/
आदेश से रीडर

24.5.17 पत्रावली पेश उभयपक्ष
उपस्थित/पीठासीन अधिकार जी
राज. न्याय में व्यस्त हे। पत्रावली
दिनांक 11.9.17 को पेश हो।
ह०/
आदेश से रीडर

19/5/17 पत्रावली आज दिनांक को न्याय आपके द्वार/कैम्प कोर्ट पांसल में प्रस्तुत हुई/ प्रार्थी आदि. उप./ पैरोकार सरकार उप./ प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी के खातेदारी अधिकारों एवं कब्जे काश्त की आ.नं. 3334/1 रकबा 12 बिस्वा किस्म नहरी भूमि ग्राम पांसल में स्थित है। प्रार्थी के हक में निष्पादित विक्रय पत्र में यह अंकन था कि मुझ प्रार्थी ने आ.न. 3333 से लगती हुई 12 बिस्वा भूमि को क्रय किया था लेकिन पटवार हल्का ने उक्त भूमि का राजस्व नक्शे में अंकन करते समय विक्रय पत्र के अनुसार अंकन न करके उक्त क्रय शुदा भूमि को 3334 से लगता हुआ मानकर नक्शे में तरमीम कर दी जिसे सही किया जाना विधि सम्मत है।

प्रार्थी के प्रार्थना पत्र, पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों नक्शा तरमीम, रजिस्ट्री का अवलोकन किया गया। बहस उभयपक्ष सुनी गई। यह पाया गया कि रजिस्ट्री में केवल आ. नं. 3333 से लगती हुई बताई गई है। 0-12 बिस्वा के चारों पड़ोसी नहीं बताये गये हैं। तरमीम की गई आ.नं. 3334/1 का उत्तरी सिरा आ.न. 3333 से लगता हुआ है। अतः प्रार्थी का यह कथन कि तरमीम की गई आ.न. 3334/1, आ.न. 3333 से लगती हुई नहीं है सत्य नहीं पाया गया है। राजस्व रिकार्ड में की गई तरमीम रजिस्ट्री अनुसार ही है अतएव प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 131, 136, रा. टि. ए. खारिज किया जाता है यह निर्णय आज दिनांक 19/5/17 को

Scanned by CamScanner

सरे इजलास सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर, भीलवाड़ा

Scanned by CamScanner